प्रेस विज्ञप्ति

हिन्दुस्तान कॉलेज में 'उद्यमशीलता' पर कार्यशाला

आई.आई.टी रूड़की के प्रो. रजत अग्रवाल एवं दयालबाग शैक्षिक संस्थान के प्रो. राहुल स्वरूप शर्मा ने दिया व्याख्यान

शारदा ग्रुप के प्रतिष्ठित संस्थान हिन्दुस्तान कॉलेज ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलाजी में भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग इंटरप्रिन्योरशिप डवपलमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, अहमदाबाद के संयुक्त प्रावधान के अंतर्गत 'उद्यमशीलता' विषय पर 12 दिवसीय फैकल्टी डवलपमेंट प्रोग्राम में आई.आई. टी. रूड़की के प्रो. रजत अग्रवाल ने दिया विशेष व्याख्यान।

प्रो. रजत अग्रवाल ने लाभ–अलाभ स्थिति के आदर्श समय के बारे में अवगत कराते हुए कहा कि आप भी उद्यमशील बन सकते हैं अगर आप में दो चीजें हैं– पहला अगर आप बदलने के लिए प्रतिरोध और जोखिम ले सकते हैं और दूसरा भविष्यवाणी विकलांगता। उन्होंने वित्तीय प्रबंधन में सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि तुम खुद के लिए किस प्रकार फंड कर सकते हो। विद्यार्थीयों के लिए इनकुबेटर सबसे अच्छी एजेंसी बताई। उन्होंने बीज फंडिंग और ऋण इक्विटी के बारे में प्रतिभागियों को अवगत कराया।

दयालबाग शैक्षिक संस्थान से आये प्रो. राहुल ने बताया कि उद्यमशीलता प्रेरक कार्यक्रम द्वारा प्रतिभागियों को समझाया। इस दौरान उन्होंने आउट ऑफ बॉक्स सोच को बढ़ावा देते हुए 9 बिंदु रेटिंग स्केल से अपनी बातों को समझाया। उन्होंने बताया कि आज के समय में उद्यमशीलता वो है जो कि परिकलित खतरा लेने की क्षमता रखता है। साथ ही उसके अन्दर आस–पास के वातावरण को समझने व उसको क्रियान्वित करते हुए व्यापार की नयी इकाईयाँ स्थापित करने की योग्यता रखता हो। उसके अन्दर इन्नोवेशन हेतु जुनून होना भी स्वाभाविक रूप से विद्यमान होना चाहिए।

कार्यशाला के मुख्य संयोजक ने कहा कि जिला उद्योग केन्द्र द्वारा उद्यमशीलता का समर्थन ट्रेनिंग में महत्वपूर्ण पहलू है। जिला उद्योग केन्द्र उद्यमशीलता और इनकूबेशन गतिविधियाँ को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के साथ उद्यमशीलता का समर्थन करता है। जिला उद्योग केन्द्र उद्यमशीलता और शिक्षा के बीच का अंतर समाप्त कर देता है।